JK

Roll No. ____________________________

Question Booklet Number

O.M.R. Serial No. :

M.A. IV Semester (NEP) Examination, 2025-26

SANSKRIT

सांख्य एवं योग (दर्शन वर्ग)

(Elective)

Question Booklet Series
D

Paper Code							
A	0	2	1	0	0	3	T

Time : 1 : 30 Hours] **[Maximum Marks : 75**

Instructions to the Examinee :

1. Do not open the booklet unless you are asked to do so.
2. The booklet contains 100 questions. Examinee is required to answer 75 questions in the OMR Answer-Sheet provided and not in the question booklet. **All** questions carry equal marks.
3. Examine the Booklet and the OMR Answer-Sheet very carefully before you proceed. Faulty question booklet due to missing or duplicate pages/questions or having any other discrepancy should be got immediately replaced.
4. Four alternative answers are mentioned for each question as – A, B, C & D in the booklet. The candidate has to choose the correct answer and mark the same in the OMR Answer-Sheet as per the direction :

(Remaining instructions on the last page)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक आपसे कहा न जाए।
2. प्रश्न-पुस्तिका में 100 प्रश्न हैं। परीक्षार्थी को 75 प्रश्नों को केवल दी गई OMR आन्सर-शीट पर ही हल करना है, प्रश्न-पुस्तिका पर नहीं। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर अंकित करने से पूर्व प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR आन्सर-शीट को सावधानीपूर्वक देख लें। दोषपूर्ण प्रश्न-पुस्तिका जिसमें कुछ भाग छपने से छूट गये हों या प्रश्न एक से अधिक बार छप गए हों या उसमें किसी अन्य प्रकार की कमी हो, तो उसे तुरन्त बदल लें।
4. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर-A, B, C तथा D हैं। परीक्षार्थी को उन चारों विकल्पों में से सही उत्तर छाँटना है। उत्तर को OMR उत्तर-पत्रक में सम्बन्धित प्रश्न संख्या में निम्न प्रकार भरना है :

(शेष निर्देश अन्तिम पृष्ठ पर)

Rough Work

रफ कार्य

1. विविध योनियों में संसरण कौन करता है-

(A) स्थूल शरीर

(B) सूक्ष्म शरीर

(C) गुण

(D) अविद्या

2. सांख्य दर्शन के अनुसार प्रमाणों द्वारा ज्ञात होने वाले प्रमेयों के मुख्यतः कितने भेद हैं-

(A) सात

(B) चार

(C) तीन

(D) दो

3. इनमें से नियामक कौन है-

(A) तमस्

(B) रजस्

(C) पुरूष

(D) महत्

4. तामिस्र किसे कहा जाता है-

(A) राग को

(B) द्वेष को

(C) वैराग्य को

(D) गुण को

5. सांख्य मतानुसार तमस् तथा मोह के कितने प्रकार हैं-

(A) 10

(B) 18

(C) 8

(D) 4

6. अतीन्द्रिय या परोक्ष पदार्थ किसके द्वारा सिद्ध होते हैं-

(A) सामान्यतोदृष्ट अनुमान

(B) दृष्ट प्रमाण

(C) पूर्ववत् अनुमान

(D) उपमान प्रमाण

7. सांख्यमतानुसार सृष्टि का प्रयोजन क्या है-

(A) जगत् का संचालन

(B) पुरूष का कैवल्य

(C) दुःखत्रय से मुक्ति

(D) गुणों का प्रकाशन

8. सांख्य दर्शन के अनुसार वैराग्य से क्या होता है-

(A) प्रकृतिलय

(B) भक्ति

(C) प्रेम

(D) स्वर्ग प्राप्ति

9. समस्त ज्ञानेन्द्रियों, मन और अहंकार का लक्ष्य होता है-

(A) महत्

(B) प्रकृति

(C) बुद्धि

(D) पुरूष

10. इनमें से बुद्धि का गुण नहीं माना जाता है-

(A) धर्म

(B) अज्ञान

(C) अवैराग्य

(D) परतन्त्र

11. प्रकृति की उपलब्धि किस कारण वश नहीं होती है-

(A) पुरूष के अधीन होने के कारण

(B) त्रिगुणात्मिका होने के कारण

(C) दुःखत्रय से युक्त होने के कारण

(D) सूक्ष्म होने के कारण

12. 'ऐकान्तिक' शब्द का क्या अर्थ है-

(A) एकान्तवास

(B) दुःख की अनिवार्यतया निवृत्ति

(C) अकेलापन

(D) अत्यधिक दुःख

13. अज्ञान का अन्तर्भाव किसमें होता है-

(A) सिद्धि

(B) अशक्ति

(C) विपर्यय

(D) तुष्टि

14. सांख्य मत के अनुसार संसरण, बन्धन और मोक्ष किसका होता है-

(A) प्रकृति का

(B) पुरूष का

(C) बुद्धि का

(D) त्रिगुण का

15. प्रकृति अपने कितने रूपों द्वारा स्वयं को ही बाँधती है-

(A) आठ

(B) सात

(C) दस

(D) चार

16. 'रंगस्य दर्शयित्वा निवर्तते' किसे कहा गया है-

(A) प्रकृति को

(B) पुरूष को

(C) बुद्धि को

(D) शरीर को

17. सांख्य दर्शन में देव-सृष्टि के कितने प्रकार बताये गये हैं-

(A) पाँच

(B) सात

(C) आठ

(D) एक

18. शास्त्रविधिपूर्वक गुरूमुख से अध्यात्मविद्या के पारायण का श्रवण करना क्या है-

(A) तारतार

(B) सुतार

(C) सुहृत्प्राप्ति

(D) तार

19. इनमें से सही मेल कौन सा है-

(A) विपर्यय 9 भेद

(B) तुष्टि 8 भेद

(C) सिद्धि 5 भेद

(D) अशक्ति 28 भेद

20. प्रत्ययसर्ग के मूलतः कितने भेद हैं-

(A) 3

(B) 4

(C) 5

(D) 6

21. इनमें से किसे अविशेष कहा जाता है

(A) पंच तन्मात्र

(B) पंच महाभूत

(C) कर्मेन्द्रिय

(D) ज्ञानेन्द्रिय

22. इनमें से अन्तःकरण का भेद नहीं है-

(A) मन

(B) प्राणवायु

(C) बुद्धि

(D) अहंकार

23. सात्त्विक अहंकार किसकी उत्पत्ति में उपादान कारण होता है-

(A) इन्द्रियों की

(B) पुरूष की

(C) प्रकृति की

(D) महत् की

24. इनमें से 'अध्यवसाय' किसका धर्म कहा जाता है-

(A) मन का

(B) नेत्रों का

(C) बुद्धि का

(D) त्वक् का

25. प्रधान के द्वारा पुरूष का कैवल्य सम्पन्न होने के लिए किसके समान दोनों का संयोग होता है-

(A) पङ्गवन्धवद्

(B) तिलतण्डुलवत्

(C) नीरक्षीरवत्

(D) घुणाक्षरन्यायवत्

26. इनमें से पुरूष-बहुत्व के सिद्ध होने में कौन से कारण होते हैं-

(A) जन्म, मरण तथा इन्द्रियों की व्यवस्था

(B) एक साथ प्रवृति का अभाव

(C) गुणों का भेद

(D) उपरोक्त सभी

27. अपवर्ग किसके द्वारा सिद्ध होता है-

(A) धर्म

(B) अधर्म

(C) ज्ञान

(D) धर्माधर्म

28. 'अन्योन्याभिभवाश्रयजननमिथुनवृत्यः' किसे कहा गया है-

(A) महापुरूष

(B) गुण

(C) जड़पदार्थ

(D) पुरूष

29. रजोगुण किस प्रकार का होता है-

(A) अप्रीतिकारक

(B) प्रीतिकारक

(C) विषादात्मक

(D) प्रीत्यप्रीतिकारक

30. स्पर्श तन्मात्रा से किसका प्राकट्य होता है-

(A) पृथ्वी

(B) जल

(C) तेज

(D) वायु

31. इनमें से पृथ्वी की प्रकृति है-

(A) रूप

(B) शब्द

(C) गन्ध

(D) स्पर्श

32. 'व्याप्यव्यापकभावपक्षधर्मताज्ञानपूर्वकं' है-

(A) प्रत्यक्ष

(B) उपमान

(C) आप्तवचन

(D) अनुमान

33. सांख्य दर्शन में किसे भ्रमस्वरूप कहा गया है-

(A) सद्सत्ख्याति

(B) असत्ख्याति

(C) सत्ख्याति

(D) अन्यथाख्याति

34. सांख्य दर्शन में पुरूष है-

(A) प्रकृति और अविकृति

(B) न प्रकृति न विकृति

(C) अप्रकृति तथा विकृति

(D) प्रकृति और विकृति

35. प्रमेय की सिद्धि किनसे होती है-

(A) विज्ञान से

(B) प्रमाण से

(C) पुरूष से

(D) अज्ञान से

36. महत्, अहंकार और पंचतन्मात्र हैं-

(A) विकृति

(B) प्रकृति

(C) अविकृति

(D) प्रकृतिविकृति

37. सांख्य दर्शन में किसे अव्यक्त कहा गया है-

(A) प्रकृति

(B) पुरूष

(C) पंचभूत

(D) ईश्वर

38. सांख्यकारिका पर वाचस्पति मिश्र कृत टीका है-

(A) माठरवृत्ति

(B) जयमंगला

(C) तत्वकौमुदी

(D) युक्तिदीपिका

39. सांख्यकारिका किसकी रचना है-

(A) ईश्वरकृष्ण

(B) कपिल

(C) आसुरि

(D) जैगीषव्य

40. सांख्य दर्शन में कुल कितने तत्वों की चर्चा की गयी है-

(A) 24

(B) 17

(C) 25

(D) 26

41. 'असदकरणादुपादानग्रहणात् सर्वसम्भवाभावात्' कारिकांश का सम्बन्ध किससे है-

(A) पुरूष बहुत्व

(B) कैवल्य

(C) प्रत्ययसर्ग

(D) सत्कार्यवाद

42. इनमें से अनुमान प्रमाण का प्रकार नहीं है-

(A) पूर्ववत्

(B) शेषवत्

(C) सामान्यतोदृष्ट

(D) उभयवत्

43. 'प्रतिविषयाध्यवसायो' किसका लक्षण है

(A) अनुमान प्रमाण

(B) प्रत्यक्ष प्रमाण

(C) उपमान प्रमाण

(D) शब्द प्रमाण

44. इनमें से पाँच तन्मात्राओं व एकादश इन्द्रियों का कारण और महत् तत्व का कार्य कौन है-

(A) अहंकार

(B) पुरूष

(C) प्रकृति

(D) पंच महाभूत

45. 'दृष्टवदानुश्रविकः' में 'आनुश्रविक' पद से क्या तात्पर्य है

(A) लौकिक

(B) साहित्यिक

(C) वैदिक

(D) दार्शनिक

46. इनमें से कौन केवल कार्य है

(A) प्रकृति

(B) पुरूष

(C) महत् आदि सात तत्व

(D) सोलह तत्वों का समुदाय

47. आधिभौतिक दुःख किनसे उत्पन्न होता है

(A) यक्ष, राक्षस, ग्रह आदि से

(B) पशु, पक्षी, सर्प, वृक्षादि स्थावरों से

(C) राजा व उनके सैनिकों से

(D) ज्वर आदि से

48. दुःखत्रय में सम्मिलित नहीं है

(A) अतार्किक

(B) आधिभौतिक

(C) आधिदैविक

(D) आध्यात्मिक

49. इनमें से किस आचार्य का सम्बन्ध सांख्य दर्शन से नहीं है

(A) आसुरि

(B) ईश्वरकृष्ण

(C) पंचशिख

(D) शंकराचार्य

50. सांख्य दर्शन के प्रवर्तक आचार्य माने जाते हैं

(A) गौतम

(B) कणाद

(C) कपिल

(D) पतंजलि

51. शरीर को सूक्ष्म कर लेना कहलाता है-

(A) लघिमा

(B) महिमा

(C) प्राकाम्य

(D) अणिमा

52. 'तदेवार्थमात्रनिर्भासं स्वरूपशून्यमिव समाधिः' सूत्र का सम्बन्ध किस पाद से है-

(A) विभूतिपाद

(B) कैवल्यपाद

(C) समाधिपाद

(D) साधनपाद

53. ध्येय विषय में चित्त का एक-सा बना रहना कहलाता है-

(A) धारणा

(B) आसन

(C) समाधि

(D) ध्यान

54. 'तदा विवेकनिम्नं कैवल्यप्राग्भारं चित्तम्' का क्या अर्थ है-

(A) चित्त दुःखी होता है

(B) चित्त विवेक में नत हो जाता है और कैवल्य की ओर जाता है

(C) चित्त सांसारिक सुख चाहता है

(D) चित्त अस्थिर होता है

55. कैवल्य पाद में किस दर्शन का प्रभाव दिखता है-

(A) न्याय

(B) वैशेषिक

(C) सांख्य

(D) वेदान्त

56. प्रकृति के समस्त विकारों का वशीकार क्या कहलाता है-

(A) मनविजय

(B) विकरण भाव

(C) इन्द्रियजय

(D) प्रधानजय

57. इनमें से काय सम्पत् में सम्मिलित नहीं है-

(A) धन-सम्पत्ति

(B) रूप

(C) बल

(D) लावण्य

58. 'पुरूषार्थशून्यानां गुणानां प्रतिप्रसवः' क्या कहलाता है-

(A) निरोध

(B) कैवल्य

(C) काम

(D) सिद्धि

59. बिना शरीर के इन्द्रियों में कार्य करने की शक्ति आ जाना है-

(A) प्रधानजय

(B) मनोजवित्व

(C) प्राणजय

(D) विकरणभाव

60. पाँच भूतों के स्थूल, सूक्ष्म, अन्वय और अर्थतत्व में संयम करने से होता है-

(A) प्राणजय

(B) मनः जय

(C) भूतजय

(D) प्रधानजय

61. योगी कीचड़, कण्टक आदि पर चल सकता है-

(A) प्राण में संयम करके

(B) समान में संयम करके

(C) व्यान में संयम करके

(D) उदान में संयम करके

62. मूर्धा की ज्योति में संयम करने से क्या होता है-

(A) सिद्धों का दर्शन

(B) आकाश-गमन

(C) दिव्य चक्षु की प्राप्ति

(D) दैदीप्यमान काया-प्राप्ति

63. इनमें से कौन सी सिद्धि आकाशगमन व अणिमादि लाभ प्रदान करती है-

(A) समाधिजा सिद्धि

(B) मन्त्रजा सिद्ध

(C) तपजा सिद्धि

(D) जन्मजा सिद्धि

64. स्मृतियाँ किससे उत्पन्न होती हैं-

(A) प्रेम से

(B) वैराग्य से

(C) संस्कार से

(D) मन से

65. अनेक चित्तों में जो प्रवृत्ति भेद होता है उसका नियामक कौन होता है-

(A) शरीर

(B) जीव

(C) प्राणयाम

(D) एक चित्त

66. 'ते व्यक्तसूक्ष्मा गुणात्मानः' सूत्र में 'ते' पद का आशय है-

(A) धर्म

(B) काल

(C) जाति

(D) लक्षण

67. इन्द्रियों का विषय इनमें से किसे कहा जाता है-

(A) वासनाओं के हेतु को

(B) वासनाओं के फल को

(C) वासनाओं के आलम्बन को

(D) वासनाओं के आश्रय को

68. साधारण मनुष्यों के कर्म कितने प्रकार के होते हैं-

(A) तीन

(B) सात

(C) नौ

(D) आठ

69. 'तत्र ध्यानजमनाशयम्' में 'अनाशयम' पद का आशय है-

(A) तात्पर्य सहित

(B) विज्ञान युक्त

(C) सामर्थ्य रहित

(D) वासना-रहित

70. योगी किसके माध्यम से निर्माणचित्त होता है-

(A) अस्मिता मात्र से

(B) आनन्द मात्र से

(C) नियम मात्र से

(D) प्रेरणा मात्र से

71. सिद्धियों के भेद से सिद्ध चित्त के कितने भेद होते हैं-

(A) चार

(B) पाँच

(C) आठ

(D) दस

72. जिनकी उत्पत्ति में केवल जन्म ही निमित्त हो, उसे कहते हैं-

(A) मन्त्रजा सिद्धि

(B) तपजा सिद्धि

(C) जन्मजा सिद्धि

(D) समाधिजा सिद्धि

73. क्लेश कर्मों की निवृत्ति किससे होती है-

(A) सूर्य के प्रकाश से

(B) तप से

(C) धर्ममेध समाधि से

(D) उक्त में से कोई नहीं

74. इनमें से योगी का कर्म कहलाता है-

(A) अशुक्ल-अकृष्ण

(B) कृष्ण

(C) शुक्ल

(D) कृष्ण-शुक्ल

75. पातंजल योगसूत्र के चतुर्थ पाद का नाम है-

(A) साधन

(B) समाधि

(C) विभूति

(D) कैवल्य

76. अनेक व्यक्तियों में अनुगत सामान्य धर्म को कहते है-

(A) लक्षण

(B) देश

(C) जाति

(D) वस्तु

77. दिव्य श्रोत्र की प्राप्ति होती है-

(A) श्रोत्र और पृथ्वी में सम्बन्ध करने से

(B) श्रोत्र और आकाश में सम्बन्ध करने से

(C) श्रोत्र और जल में सम्बन्ध करने से

(D) श्रोत्र और तेज में सम्बन्ध करने से

78. घ्राणेन्द्रिय से दिव्य गन्ध सूँघने की योग्यता है-

(A) वार्ता

(B) प्रतिभा

(C) आदर्श

(D) वेदना

79. बिना किसी रूकावट के इच्छा पूर्ण होना कहलाता है-

(A) अणिमा

(B) प्राकाम्य

(C) लघिमा

(D) वशीत्व

80. मन के समान शरीर का वेगवान् होना कहलाता है-

(A) प्रधानजय

(B) विकरणभाव

(C) मानसिकता

(D) मनोजवित्व

81. इनमें से कायसम्पत् है-

(A) अस्मिता

(B) वज्रसंहननत्व

(C) अन्वय

(D) अहंकार

82. 'समानजयात्..........' सूत्र में रिक्त स्थान भरें-

(A) उत्क्रान्तिश्च

(B) श्रोत्रम्

(C) प्रज्वलनम्

(D) भूतजयः

83. नेत्रेन्द्रिय की दिव्यरूप देखने की योग्यता कहलाती है-

(A) आदर्श

(B) वार्ता

(C) प्रतिभा

(D) आस्वाद

84. पूर्वजन्म का ज्ञान होता है-

(A) परिणाम में संयम से

(B) ज्ञान से अभ्यास से

(C) चित्तवृत्ति का साक्षात् करने से

(D) संस्कार के साक्षात्कार से

85. 'बहिरकल्पिता वृत्ति' क्या कहलाती है-

(A) प्रकाश

(B) आवरण

(C) महाविदेहा

(D) गमन

86. सुमेलित का चयन करें-

(A)	चन्द्रसंयम	ताराव्यूहज्ञान
(B)	ध्रुवसंयम	कायव्यूहज्ञान
(C)	कण्ठकूपसंयम	स्थिरता
(D)	नाभिचक्रसंयम	गतिविज्ञान

87. सूर्य में संयम करने से कौन सा ज्ञान होता है-

(A) स्वर्गज्ञान

(B) देवज्ञान

(C) भुवनज्ञान

(D) वेदज्ञान

88. 'शान्तोदिताव्यपदेश्यधर्मानुपाती' किसे कहा गया है-

(A) धर्म

(B) धर्मी

(C) संस्कार

(D) द्रव्य

89. सर्वार्थता और एकाग्रता का क्षय और उदय होना चित्त का कौन सा परिणाम है-

(A) सर्वविद्

(B) एकीकरण

(C) वशीकार

(D) समाधि परिणाम

90. किस संस्कार से चित्त की शान्त प्रवाह वाली गति होती है-

(A) व्युत्थान संस्कार से

(B) निरोध संस्कार से

(C) उक्त दोनों से

(D) उक्त मे से कोई नहीं

91. इनमें से निर्बीज समाधि की दृष्टि से बहिरंग साधना है-

(A) यम

(B) प्रत्याहार

(C) धारणा

(D) आसन

92. संयम का विनियोग किसमें किया जाना चाहिए-

(A) चित्त भूमियों में

(B) परमात्मा में

(C) प्राणायाम में

(D) विषयों में

93. योगसूत्र पर वाचस्पतिमिश्र द्वारा लिखित टीका है-

(A) तत्त्ववैशारदी

(B) तत्त्वबोधिनी

(C) तत्त्वकौमुदी

(D) तत्त्वप्रभा

94. 'तज्जयात्प्रज्ञालोकः' सूत्र में 'तज्जय' पद का आशय है-

(A) लोक-जय

(B) परलोक-जय

(C) संयम-जय

(D) ज्ञान-जय

95. क्षण और उसके क्रमों में संयम करने से क्या उत्पन्न होता है-

(A) धारणा

(B) संयम

(C) विवेकज ज्ञान

(D) अज्ञान

96. चित्त और पुरूष की समान शुद्धि होने पर होता है-

(A) सर्वज्ञता

(B) अणिमा-लघिमा

(C) प्राणजय

(D) कैवल्य

97. 'देशबन्धचित्तस्य' किसे कहा जाता है-

(A) धारणा

(B) ध्यान

(C) समाधि

(D) प्रवृत्ति

98. कैवल्य की अवस्था कहलाती है-

(A) रूपातीत

(B) गुणातीत

(C) तुरीयातीत

(D) इनमें से कोई नहीं

99. पातंजल योगसूत्र में कुल कितने पाद हैं-

(A) 2

(B) 3

(C) 4

(D) 5

100. पातंजल योगसूत्र में कुल सूत्रों की संख्या है-

(A) 159

.(B) 179

(C) 195

(D) 197

Rough Work

रफ कार्य

Example :

Question :

Q. 1 (A) ● (C) (D)

Q. 2 (A) (B) ● (D)

Q. 3 (A) ● (C) (D)

5. Each question carries equal marks. Marks will be awarded according to the number of correct answers you have.
6. All answers are to be given on OMR Answer Sheet only. Answers given anywhere other than the place specified in the answer sheet will not be considered valid.
7. Before writing anything on the OMR Answer Sheet, all the instructions given in it should be read carefully.
8. After the completion of the examination candidates should leave the examination hall only after providing their OMR Answer Sheet to the invigilator. Candidate can carry their Question Booklet.
9. There will be no negative marking.
10. Rough work, if any, should be done on the blank pages provided for the purpose in the booklet.
11. To bring and use of log-book, calculator, pager & cellular phone in examination hall is prohibited.
12. In case of any difference found in English and Hindi version of the question, the English version of the question will be held authentic.

Impt. On opening the question booklet, first check that all the pages of the question booklet are printed properly. If there is any discrepancy in the question booklet, then after showing it to the invigilator, get another question booklet of the same series.

उदाहरण :

प्रश्न :

प्रश्न 1 (A) ● (C) (D)

प्रश्न 2 (A) (B) ● (D)

प्रश्न 3 (A) ● (C) (D)

5. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। आपके जितने उत्तर सही होंगे, उन्हीं के अनुसार अंक प्रदान किये जायेंगे।
6. सभी उत्तर केवल ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर ही दिये जाने हैं। उत्तर-पत्रक में निर्धारित स्थान के अलावा अन्यत्र कहीं पर दिया गया उत्तर मान्य नहीं होगा।
7. ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर कुछ भी लिखने से पूर्व उसमें दिये गये सभी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लिया जाये।
8. परीक्षा समाप्ति के उपरान्त परीक्षार्थी कक्ष निरीक्षक को अपनी OMR Answer Sheet उपलब्ध कराने के बाद ही परीक्षा कक्ष से प्रस्थान करें। परीक्षार्थी अपने साथ प्रश्न-पुस्तिका ले जा सकते हैं।
9. निगेटिव मार्किंग नहीं है।
10. कोई भी रफ कार्य, प्रश्न-पुस्तिका में, रफ-कार्य के लिए दिए खाली पेज पर ही किया जाना चाहिए।
11. परीक्षा कक्ष में लॉग-बुक, कैल्कुलेटर, पेजर तथा सेल्युलर फोन ले जाना तथा उसका उपयोग करना वर्जित है।
12. प्रश्न के हिन्दी एवं अंग्रेजी रूपान्तरण में भिन्नता होने की दशा में प्रश्न का अंग्रेजी रूपान्तरण ही मान्य होगा।

महत्वपूर्ण : प्रश्न-पुस्तिका खोलने पर प्रथमतः जाँच कर देख लें कि प्रश्न-पुस्तिका के सभी पृष्ठ भलीभाँति छपे हुए हैं। यदि प्रश्न-पुस्तिका में कोई कमी हो, तो कक्षनिरीक्षक को दिखाकर उसी सीरीज की दूसरी प्रश्न-पुस्तिका प्राप्त कर लें।